पत्र सूचना शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राजभवन में शहीद दिवस पर श्रद्धांजलि सभा

कुष्ठ पीड़ितों को उनका मानवीय अधिकार मिले तथा स्वच्छ भारत अभियान को गति प्रदान की जाये यही महात्मा गांधी के प्रति असली श्रद्धांजलि होगी - राज्यपाल

राज्यपाल ने मुख्यमंत्री का कुष्ठ पीड़ितों का निर्वहन भत्ता बढ़ाये जाने पर आभार प्रकट किया

लखनऊः 30 जनवरी, 2015

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल, श्री राम नाईक ने शहीद दिवस के अवसर पर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि गांधी जी के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि उनके गुणों को ग्रहण करने से होगी। उन्होंने कहा कि हमें अपने आचरण में सुधार लाने के प्रति सोचना होगा। आज के दिन के विशेषता है कि हम बापू की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं और दूसरी तरफ आज का दिन विश्व कुष्ठ निवारण दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। गांधी जी सफाई और कुष्ठ पीड़ितों की सेवा के लिए समर्पित थे। कुष्ठ पीड़ितों को उनका मानवीय अधिकार मिले तथा स्वच्छ भारत अभियान को गति प्रदान की जाये यही महात्मा गांधी के प्रति असली श्रद्धांजलि होगी।

राज्यपाल ने कहा कि आज का दिन देश की आजादी के लिये अपना बलिदान देने वाले सभी शहीदों को याद करने का दिन है। स्वराज को सुराज में बदलने की जिम्मेदारी आज की भावी पीढ़ी पर है। महात्मा गांधी ने खादी, स्वदेशी, नमक सत्याग्रह एवं सफाई के माध्यम से जो रास्ता दिखाया था, वह आज भी प्रासंगिक है।

श्री नाईक ने कहा कि उनके सुझाव पर प्रदेश के मुख्यमंत्री, श्री अखिलेश यादव ने कुष्ठ पीड़ितों का निर्वहन भत्ता रूपये 2,500 कर दिया है। राज्यपाल ने इच्छा व्यक्त की थी कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्य तिथि 30 जनवरी को, जिसे विश्व कुष्ठ निवारण दिवस के रूप में मनाया जाता है, के दिन अगर यह निर्णय लिया जाता है तो समीचीन होगा। प्रदेश सरकार ने प्रदेश में लगभग 10,000 कुष्ठ पीड़ितों के लिए रूपये 30 करोड़ के निर्वहन भत्ते का प्रावधान किया है। प्रदेश सरकार द्वारा पूर्व में उन कुष्ठ पीड़ितों को विकलांग पेंशन की श्रेणी में रखते हुये रूपये 300 मासिक निर्वहन भत्ते के रूप में दिया जाता था। विकलांग पेंशन उन्हीं कुष्ठ पीड़ितों को मिलती थी जो चालीस प्रतिशत से ज्यादा विकलांग थे। कुष्ठ पीड़ितों को घर में जगह नहीं मिलती है, परिवारजन भी उनसे दूरी बनाकर रखते हैं। उनके बच्चें भी शिक्षा एवं बेहतर जीवन से वंचित रहते हैं। ऐसे में सिवाय भिक्षावृत्ति के कुष्ठ पीड़ितों के पास कोई दूसरा रास्ता नहीं होता है। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव को अपनी ओर से तथा कुष्ठ पीड़ितों की ओर से धन्यवाद एवं आभार प्रकट किया।

श्री नाईक ने बताया कि राज्यपाल का पद ग्रहण करने से पहले वे कुष्ठ पीड़ितों के लिए काम करने वाली संस्था, इन्टरनेशनल लेप्रोसी यूनियन, पुणे के अध्यक्ष थे। वे चालीस वर्षों से अधिक समय तक कुष्ठ पीड़ितों की समस्याओं के समाधान हेतु कार्यरत रहे हैं। वर्ष 2007 में कुष्ठ पीड़ितों की समस्याओं के संबंध में उनके द्वारा राज्यसभा में एक याचिका प्रस्तुत की गयी थी जिस पर कोई निर्णय नहीं हो सका था। कुछ दिन पूर्व संसदीय याचिका समिति ने प्रतिव्यक्ति 2,000 रूपयें प्रतिमाह देने की संस्तुति की है।

राजभवन में शहीद दिवस के अवसर पर भातखण्डे संगीत संस्थान सम विश्वविद्यालय, लखनऊ के कलाकारों द्वारा बापू के प्रिय भजन व रामधुन प्रस्तुत किये गये। इससे पहले श्री नाईक ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा व चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी तथा उनके सम्मान में दो मिनट का मौन धारण किया गया। श्रद्धांजलि सभा में राज्यपाल के प्रमुख सचिव, सुश्री जूथिका पाटणकर व राजभवन के समस्त अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।